PARIS, 15th June 1988,

भिम्न आरिवलेश,

भारते भे यह पत्र । ५ ल ही हम, या भार के लिये गेतियो।

यो चुने दु है "पाँच 'युवा ियत्र कारों का रंगीन के त्लाग जुद् भाच्का वन गया। आप पान के पहिषाग के नियं धान्यवाद। भेने भी इसे वड़े किट में एकनित किया। हा ियत्रका की भाषा निजी "पाइलं हैं - जिनमें जिस , दिले बारोगडेल, पता आपि ...! इसकी original dummy, दीने 20 महें French Embassy, Delhi जिनाई है। वेही प्रदर्शनी आयोगित कोंगे।

आपने। विज्ञय निगद भी। यस पे इनकी फिटा कापी भिन्ना (हा दें। में कुंध क्षेत्र महों, पर अन्दान हा सक्ना। अपनी एय दें। किल्ली प्रदर्शनी का पेटलाग, विसम्बर-टट में, पिल्ली में हो किणा। हा चित्र कार के दो पेन एत रंगीन चित्र, Portrait, Bio dats-किले यह थानना है। फिल हाल मन लगाना काम को । आपके दोनों प्रदर्शनी में भागलेना होगा। किल्ली के लिये तीन या चार चित्र चाहिये होने। सन्तर्भ अरहे, मले ही व किसी कलेक शन में स्यो नहीं।

भाषता पिद्धला पत्र भिला था । धारपवाद । राव भी भाग भिले पत्र लिखें। हमारी पीदी के विक कारों की जित्यों। भाव पाय: भागत ही हा कारी है। भाव भाशारें भाप भव पर है। विश्वास से, स्मागता से भाभ की ।

१८११मामनाआं के नाथ _ आपका _

(युवरिड मि, 41गा) भिल गर्म

S.H.RAZA,

RUE DU CHATEAU

GORBIO

COSOO MENTON

FRANCE